

04/06/18

पत्रावली राजास मध्ये कदाचित् मित्रि डाक्या
 में प्राप्त हुई) वरि ने निवेदन किया कि
 पक्षकर्ता के मध्य रजिनाम से पुकारे
 काय चलाना नही चाहे है) अतिव
 प्रामाण्य (अर्थ) वरि। वरि को पहचान
 करीम वरि की योग्यता शर्त हस्त
 की गरी) वरि वरि के निवेदन में
 वाप वरि अतिव विद जान के
 अतिव विद जान के) निराम फोरम
 सुम्मा होकर नही हो कर है

उत्तर।

उपखण्ड अधिकारी, दातारामगढ

मैथिली
 यमाना अतिव
 है

विश्वामि मन्त्र
 पत्रावली
 है
 4-6-2018

दातारामगढ